नये औद्योगिक नीति में प्रदूषित कंपनियों को नहीं मिलेगी इजाजत : आशीष कुंद्रा

■ प्रशासक आशीष कुंद्रा ने ट्विट कर किया इसका खुलासा

सिलवासा। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली में औद्योगिक नीति के बदलाव को लेकर कुछ समय पहले जारी किये गये सर्कुलर के बाद दानहवासियों में औद्योगिक नीति के बदलाव में प्रदूषित कंपनियों के निवेश को लेकर चिंताएं बढ़ गई थी। इसके बाद कल ही दादरा नगर हवेली की कई स्वयं सेवी संस्थाएं, सामाजिक संगठनों तथा कुछ राजनैतिक पार्टियों के पदाधिकारियों ने वनधरा गार्डन में बैठक आयोजित कर प्रस्ताव पारित किया कि प्रशासन औद्योगिक नीति बदलाव के नाम पर रेड केटेगरी की कंपनियों को प्रदेश में प्रवेश की अनुमति देता है तो दानह का प्रत्येक व्यक्ति प्रशासन के इस कदम का कडा विरोध करेगा। लोगों का कहना है कि दादरा नगर हवेली को वापी, भरूच एवं अंकलेश्वर नहीं बनने देंगे। साथ ही लोगों ने कहा कि प्रदेश में नये औद्योगिक निवेशक चाहिए लेकिन लोगों की जान की कीमत पर नहीं। स्थानीय स्तर के अलावा सोशल मीडिया एवं समाचारपत्रों में प्रकाशित खबरों के माध्यम से दिल्ली में बैठे संघ प्रदेश प्रशासक आशीष कुंद्रा को दादरा नगर हवेली में चल रही औद्योगिक नीति के विरोध का पता चला तो उन्होंने ट्विट कर लोगों को यह जानकारी दी कि नये निवेशकों को आकर्षित करने के लिए बनाई जा रही नई औद्योगिक नीति में रेड केटेगरी के कंपनियों को प्रवेश की इजाजत नहीं दी जावेगी। प्रशासक आशीष कुंद्रा ने दानहवासियों को अपने ट्विट के माध्यम से भरोसा दिलाते हुए कहा है कि उनके द्वारा नये निवेशकों को प्रदेश में आकर्षित करने के लिए जो नई औद्योगिक नीति बनाई जा रही है वह केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण समिति के निर्धारित मापदंडों के अनुकूल ही होगी। जिससे रेड केटेगरी के कंपनियों के प्रदेश में आने का सवाल ही नहीं उठता है। प्रशासक आशीष कुंद्रा ने प्रदेशवासियों को भरोसा दिलाया है कि दानह में नये औद्योगिक निवेश का उद्देश्य सिर्फ प्रदेश की आर्थिक उन्नति को आगे बढ़ाना है न कि यहां के पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना है। प्रशासक आशीष कुंद्रा का यह भी कहना है कि प्रशासन नये औद्योगिक नीतियों के माध्यम से आर्थिक निवेश की प्रक्रिया को आगे बढायेंगे लेकिन प्रदूषण को और भी कम किया जायेगा। जिससे लोगों को दानह की वहीं प्राकृतिक वातावरण मिलता रहे।